प्रतिदर्श प्रश्न पत्र–2019

कक्षा–12

विषय : सामान्य हिन्दी (केवल प्रश्नपत्र)

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

निर्देशः 1– प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

2–सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भाग–खण्ड 'क' खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

3–सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

(खण्ड–क)

प्र0–1 (क) 'चिन्तामणि' के लेखक हैं: 1

(i) सदासुखलाल (ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(iii) हजारी प्रसाद द्विवेदी (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द।

(ख) 'परीक्षा गुरू' किसका उपन्यास है: 1

(i) राधा कृष्ण दास (ii) लाला श्रीनिवासदास

(iii) बालकृष्ण भट्ट (iv) कार्तिक प्रसाद खत्री

(ग) 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक रहे हैं: 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द (ii) महावीर प्रसाद द्विवेदी

(iii) प्रताप नारायण मिश्र (iv) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(घ) 'ध्रुवस्वामिनी' नाटक के लेखक हैं: 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) राम कुमार वर्मा

(iii) लक्ष्मी नारायण मिश्र (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द

(ङ) 'वैदिकी हिंसा' हिंसा न भवति' के नाटककार हैं: 1

(i) भारतेन्दु हरिश्चन्द (ii) बालकृष्ण भट्ट

(iii) प्रताप नारायण मिश्र (iv) बाल मुकुन्द गुप्त।

प्र0–2 (क) ' कामायनी' के रचनाकार हैं: 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) भीष्म साहनी

(iii)मोहन राकेश iv)अलका सरावगी

(ख) 'यामा' किस युग की रचना है: 1

(i) छायावाद (ii) प्रगतिवाद

(iii) प्रयोगवाद (iv) द्विवेदी युग

(ग) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है: 1

(i) 1950 ई0 (ii) 1951 ई0

(iii) 1956 ई0 (iv) 1943 ई0

(घ) निम्नलिखित में से छायावादी कवि हैं: 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(iii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर' (iv) मैथिलीशरण गुप्त।

(ङ)हिन्दी साहित्य में किस काल को 'स्वर्ण युग' कहा जाता है: 1

(i) आदिकाल (ii) भक्तिकाल

(iii) रीतिकाल (iv) आधुनिककाल

प्र0–3 दिये गये गद्यांश आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिएः $2 \times 5 = 10$

जन का प्रवाह अनन्त होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातःकाल भुवन को अमृत से भर देती हैं; तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह हैं; जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थानों के अनेक बातों का निर्माण करना होता है।

(i) राष्ट्रीय जन ने किसके साथ तादात्म्य स्थापित किया है?

(ii) जन का संततवाही प्रवाह किसकी तरह है?

(iii) 'रश्मि' और सततवाही का क्या अर्थ है?

(iv) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए।

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम बताइये।

अथवा

निन्दा का उद्‌गम ही हीनता और कमजोरी से होता है। मनुष्य अपनी हीनता से दबता है। वह दूसरों की निन्दा करके ऐसा अनुभव करता है कि वे सब निकृष्ट है और वह उनसे अच्छा है। उसके अहं की इससे तुष्टि होती है। बड़ी लकीर को कुछ मिटाकर छोटी लकीर बड़ी बनती है। ज्यों–ज्यों कर्म क्षीण होता है; त्यों–त्यों निन्दा की प्रवृत्ति बढ़ती जाती है। कठिन कर्म ही ईर्ष्या, द्वेष और

इनसे उत्पन्न निन्दा को मारता है। इन्द्र बड़ा ईर्ष्यालु माना जाता है; क्योंकि वह निठल्ला है। स्वर्ग में देवताओं को बिना उगाया अन्न, बे बनाया महल, और बिना बोये फल मिलते हैं। अकर्मण्यता में उन्हें अप्रतिष्ठित होने का भय बना रहता है, इसलिए कर्मी मनुष्यों से उन्हें ईर्ष्या होती है।

(i) निन्दा की प्रवृत्ति कब बढ़ती है?

(ii) निन्दा का उद्‌गम कैसे होता है?

(iii) 'अकर्मण्यता' और 'द्वेष' का अर्थ क्या है?

(iv) रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए?

(v) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम बताइये?

प्र0–4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 2×5=10

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये।
होने देना विकृत–बसना तो न तू सुन्दरी को।।
जो थोड़ी भी श्रमित हो वह, गोद ले श्रान्ति खोना।
होठों की और कमल–मुख की म्लानताएँ मिटाना।।
कोई क्लान्ता कृषक ललना खेत में जो दिखावे।
धीरे–धीरे परस उसकी क्लान्तियों को मिटाना।।
जाता कोई जलद यदि हो व्योम में तो उसे लाना।
छापा द्वारा सुखित करना, तप्त भूतांगना को।।

(i) राधा पवन को लज्जाशील स्त्री के सम्बन्ध में क्या समझाती है?

(ii) राधा के अनुसार पवन थकी स्त्री की थकावट कैसे दूर करेगा?

(iii) 'कमल–मुख' में कौन सा अलंकार है?

(iv) रेखांकित अंश का भावार्थ क्या है?

(v) कविता/पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

अथवा

नील परिधान बीच सुकुमार,
खुल रहा मृदुल अधखिला अंग।
खिला हो ज्यों बिजली का फूल,
मेघ–वन बीच गुलाबी रंग।।
ओह! वह मुख! पश्चिम के व्योम,
बीच जब घिरते हों घनश्याम।।
अरूण रवि मण्डल उनको भेद,
दिखाई देता हो छविधाम।।

(i) प्रस्तुत पंक्तियों में किसकी सुन्दरता का वर्णन किया है?

(ii) श्रद्धा के 'बालों' और 'मुख' की तुलना किससे की गयी है?

(iii) 'मेघ–वन' में कौन सा अलंकार है?

(iv) रेखांकित अंशों का भावार्थ लिखिए।

(v) कविता का शीर्षक और कवि का नाम बताइये।

प्र0–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– 2+2=4

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ii) हरि शंकर परसाई

(iii) ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिएः 2+2= 4

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) मैथिली शरण गुप्त

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) महादेवी वर्मा

प्र0–6 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर कहानी' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिये। 4

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

अथवा

'ध्रुवयात्रा' अथवा 'लाठी' कहानी के कथानक की विवेचना कीजिए।

प्र0–7 स्वपठित नाटक के आधार पर दिये गये प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए। 4

(अधिकतम शब्द सीमा–80)

(i) 'राजमुकुट' नाटक के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

राजमुकुट नाटक के कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'कुहासा और किरण' नाटक के आधार पर सुनन्दा का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'कुहासा और किरण' नाटक के तृतीय अंक का कथानक संक्षेप में लिखिए।

(iii) 'आन का मान' नाटक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'आन का मान' नाटक के आधार पर 'दुर्गादास' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(iv) 'गरुड़ध्वज' नाटक के प्रमुख पात्र का चरित्र–चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

अथवा

'गरुड़ध्वज' नाटक के द्वितीय अंक की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(v) 'सूतपुत्र' के प्रमुख पात्र कर्ण के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'सूतपुत्र' नाटक के कथानक का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्र0–8 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए। 4

(शब्द सीमा अधिकतम–80)

(i) 'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर अभिशाप सर्ग का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' के आधार पर श्रवण कुमार का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के सप्तम् सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर 'कृष्ण' का चरित्रांकन कीजिए।

(iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक हर्षवर्द्धन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्ड काव्य की नायिका का चरित्रांकन कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का सारांश लिखिए।

(vi) 'आलोकवृत्त' खण्ड काव्य के सप्तम् सर्ग का सार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(खण्ड–ख)

प्र0–9 (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5= 7

महामना विद्वान वक्ता, धार्मिको नेता पटुः पत्रकारश्चासीत्।

परमस्य सर्वोच्चगुण जनसेवैव आसीत्। यत्र कुत्रापि अयं जनान दुःखितान् पीड्यमानाश्चापश्यत् तत्रैव स शीघ्रमेव उपस्थितः सर्वविधं साहाम्यञ्च अकरोत। प्राणिसेव अस्य स्वभाव एवासीत्।

अथवा

यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशास्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच–मेनाहं नामृता स्याम् किमहं तेन कुर्याम्? यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि। याज्ञवल्क्य उवाच–प्रिया नः सती त्वं प्रियं भाषसे। एहि उपविश, व्याख्यास्यामि तेअमृतत्वसाधनम्।

(ख) दिये गये पद्यांशों/श्लोकों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिएः 2+5= 7

भाषासु मुख्यां मधुरा दिव्या गीर्वाण भारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम्।।
सुखार्थिन कुतो विद्या, कुतो विद्यार्थिनः सुखम्।
सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्।।

अथवा

विरल विरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः ।
मन इव मुनैः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः।।
अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः।
व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनाभिव।।

प्र0–10 निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिएः 1+1=2

(i) कोठी वाला रोवै, छप्पर वाला सोवै।

(ii) नौ दो ग्यारह होना।

(iii) जूतिया चटकाना।

(iv) सब धान बाइस पसेरी होना।

प्र0–11 (क) निम्नलिखित शब्दों के संधि–विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए:

(i) 'रमेशः' का संधि–विच्छेद है: 1

(A) रमा + ईशः

(B) रमा + एशः

(C) रमा + इशः

(D) रम + एशः

(ii) 'प्रगल्भाकारः' का संधि–विच्छेद है: 1

(A) प्रगल्भा + अपकारः

(B) प्रगल्भ + उपकारः

(C) प्रगल्भ + आकारः

(D) प्रगल्भ् + अपकारः।

(iii) 'शायकः' का संधि–विच्छेद है: 1

(A) शै + अकः

(B) शय + अकः

(C) शा + अकः

(D) शौ + अकः।

(ख) दिये गये निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार चयन कीजिए:

(i) 'आत्मने' में वचन और विभक्ति है: 1

(A) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(B) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(C) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(D) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन

(ii) 'सरितः' शब्द में विभक्ति और वचन हैः 1

(A) षष्ठी विभक्ति, एकवचन

(B) पंचमी विभक्ति, द्विवचन

(C) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन

(D) द्वितीया विभक्ति, एकवचन।

प्र0–12 (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिएः

(i) सकल–शकल 1

(A) पदार्थ और सम्पूर्ण

(B) सम्पूर्ण और खण्ड

(C) आकृति और प्रकृति

(D) सुब और शंकालू।

(ii) अंश–अंशु 1

(A) भाग और सूर्य

(B) भाग और चन्द्र

(C) भाग और किरण

(D) किरण और वरूण

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए: 1+1 =2

(i) अमृत

(ii) वर

(iii) पयोधर।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए:

(i) सबसे पहले गिना जाने वाला: 1

(A) अग्रगण्य

(B) गण्य

(C) अनन्त

(D) अनगिनत।

(ii) 'जिसका कोई शत्रु न हो' : 1

(A) अजन्मा

(B) अजातशत्रु

(C) शत्रुघ्न

(D) जातशत्रु।

(घ) निम्नलिखित में से किन्ही दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए: 1+1 =2

(i) मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

(ii) मीराबाई कृष्ण भक्त कवि हैं।

(iii) प्रतिमा को क्षमा माँगना चाहिए।

(iv) हमें हमेशा सदैव परिश्रम करना चाहिए।

प्र0–13 (क) 'करुण रस' अथवा 'श्रृंगार रस' का स्थायी भाव के साथ उसकी परिभाषा अथवा उदाहरण लिखिए। 1+1 =2

(ख) 'यमक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'दोहा' अथवा 'चौपाई' छन्द का मात्रा सहित लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए। 1+1 =2

प्र0–14 दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर संविदा सफाई कर्मी पद पर नियुक्ति हेतु सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी को एक आवेदन पत्र लिखिए। 2+4 =6

अथवा

किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को अपनी पुस्तक की दुकान खोलने हेतु ऋण–प्राप्ति के लिए एक आवेदन–पत्र लिखिए।

प्र0–15 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा शैली में निबन्ध लिखिए। 2+7 =9

(i) पर्यावरण–प्रदूषण।

(ii) विद्यालयों में स्वास्थ्य–शिक्षा का महत्व।

(iii) शिक्षा का गिरता हुआ स्तर : सुधार के उपाय।

(iv) इंटरनेट : लाभ और हानियाँ।

*****